राजस्थान सरकार
सामान्य प्रशासन (ग्रुप–2) विभाग

क्रमांकः प.25(6)साप्र/2/2014 जयपुर, दिनांकः 29.09.2014

—: आदेश :—

दिनांकः 02 अक्टूबर, 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ति के अवसर पर **"स्वच्छ भारत की परिकल्पना"** के लक्ष्य को अर्जित करने व इस हेतु जागरूकता बढाने के उद्देश्य से दिनांकः 02 अक्टूबर, 2014 को सभी राजकीय विद्यालय एवं सरकारी कार्यालय प्रातः महात्मा गांधी जयन्ति के कार्यक्रम से लेकर अपराह्न 01.35 बजे तक खुले रखे जाए और राजकीय भवनों की सम्पूर्ण सफाई स्वयं अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण करें एवं प्रत्येक स्कूल तथा प्रत्येक कार्यालय में सबसे साफ कमरों को सम्मानित किया जाए। इसी दौरान दोपहर 01.30 बजे स्वच्छता पर निर्धारित शपथ का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाये।

राज्यपाल महो0 की आज्ञा से–

(अजीत कुमार सिंह)
प्रमुख शासन सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1. प्रमुख सचिव, माननीय राज्यपाल महोदय।
2. शासन सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, राज0 जयपुर।
3. समस्त अतिरिक्त मुख्य सचिवगण/प्रमुख शासन सचिवगण/शासन सचिवगण।
4. समस्त विभागाध्यक्ष (संभागीय आयुक्त/जिला कलक्टर सहित)
5. शासन सचिवालय के समस्त विभाग अनुभाग प्रकोष्ठ।
6. वरिष्ठ उप सचिव, मुख्य सचिव महोदय।
7. रजिस्ट्रार जनरल, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर/जयपुर।
8. सचिव, राजस्थान विधानसभा, जयपुर।
9. पंजीयक, राजस्व मण्डल।
10. सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग।
11. प्रबन्धक, विश्राम भवन, राजस्थान/प्रबन्धक, राजस्थान हाउस/जोधपुर हाउस/राजस्थान स्टेट गेस्ट हाउस, नई दिल्ली/ प्रबन्धक, राजस्थान भवन, वाशी मुम्बई।
12. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।
13. रक्षित पत्रावली।

(राजीव जैन)
संयुक्त शासन सचिव

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर कर के भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान कर के स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव–गांव और गली–गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।'